पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की बैठक सम्पन्न

कुष्ठ पीड़ितों के प्रशिक्षण एवं सशक्तीकरण के लिये कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा

लखनऊः 14 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इण्टरनेशनल लेप्रोसी यूनियन एवं राज्य सरकार के समन्वय से कुष्ठ पीड़ितों के प्रशिक्षण एवं सशक्तीकरण के लिये आगामी 27-28 मई को लखनऊ में, 8-9 को जुलाई अम्बेडकरनगर में तथा 11-12 अगस्त, 2015 को बहराइच में कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के पदेन अध्यक्ष होते हैं। बैठक में प्रमुख सचिव राज्यपाल, सुश्री जुथिका पाटणकर, सुश्री विजय लक्ष्मी, महानिदेशक, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जो पदेन हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की अवैतनिक सचिव भी हैं, डा0 सुनील भारती, उप निदेशक, कुष्ठ निवारण एवं राज्य कुष्ठ अधिकारी तथा कुष्ठ पीडितों के सहायतार्थ संस्था चलाने वाले गैर सरकारी संस्था के सदस्यगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने उनके सुझाव पर कुष्ठ पीड़ितों का निर्वाह भत्ता 2500/- रूपये प्रति माह कर दिया है। शीघ्र ही बजट का प्राविधान करके एवं नियम बनाकर चालू वित्तीय वर्ष से कुष्ठ पीड़ितों को बैंकों के माध्यम से 2500/- रूपये प्रति माह निर्वाह भत्ता मिलेगा। इस संबंध में वे राज्य सरकार के साथ बराबर सम्पर्क में हैं। उन्होंने बताया कि राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पहले वे कुष्ठ पीड़ितों के लिए काम करने वाली संस्था इन्टरनेशनल लेप्रोसी यूनियन, पुणे के अध्यक्ष थे। वे चालीस वर्षों से अधिक समय तक कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के समाधान हेतु कार्यरत रहे हैं। वर्ष 2007 में कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के संबंध में उनके द्वारा राज्यसभा में एक याचिका प्रस्तुत की गयी थी जिस पर कोई निर्णय नहीं हो सका था। कुछ दिन पूर्व संसदीय याचिका समिति ने प्रति व्यक्ति 2,000 रूपये प्रतिमाह देने की संस्तुति की है।

श्री नाईक ने बैठक में उपस्थित स्वंयसेवी संस्थाओं के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कुष्ठ पीड़ितों के सहायतार्थ काम करने वाली सभी पंजीकृत संस्थाएं अपना वार्षिक कार्यवृत्त अध्यक्ष, हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा के अवलोकनार्थ भेंजे। सदस्यों ने बैठक में अनुरोध किया कि कार्यकर्ताओं का मानदेय बहुत कम है और समय पर नहीं मिल पाता जिस पर राज्यपाल ने कहा कि संघ के समक्ष पेश आने वाली आर्थिक कठिनाई व उसके निदान के लिये एक समिति बनाकर, समिति के सुझाव उन्हें एक माह के अन्दर भेजे, जिससे आगे राज्य सरकार के साथ विचार-विमर्श करके शीघ्र निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह चिन्ता की बात है कि कुष्ठ पीड़ितों के लिये काम करने वाली संस्था की बैठक चार साल के अन्तराल के बाद आयोजित हो रही है। हिन्द कुष्ठ निवारण संघ की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिये।

बैठक में डा0 सुनील भारती, राज्य कुष्ठ अधिकारी ने बताया कि 12वीं पंचवर्षीय योजना काल में कुष्ठ रोग का निवारण अर्थात 01 रोगी प्रति 10,000 जनसंख्या का स्तर जनपद एवं विकास खण्ड तक प्राप्त करने तथा विकलांग रोगियों के यथा सम्भव चिकित्सकीय पुनर्वास के उद्देश्य से प्रदेश में कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मार्च 2015 के अंत तक 14,099 कुष्ठ रोगियों का इलाज किया गया। उन्होंने अपनी भौतिक उपलब्धि के बारे में बताया कि वर्ष 2014-15 में नये खोजे गये रोगियों की संख्या 22,223 है, जिनका उपचार चल रहा है।

हिन्द कुष्ठ निवारण संघ,
उ0प्र0 राज्य शाखा सामान्य सभा की बैठक
राजभवन
उत्तर प्रदेश